東京外国語大学図書館
0000523859

आज का भारत

[पहला भाग]

लेखक
रजनी पाम दत्त

東京外国語大学
図書館蔵書
523859
平成 14 年度

बम्बई
जन-प्रकाशन गृह लि०
१९४७

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
दूसरे संस्करणकी भूमिका	५
पहला अध्यायः आधुनिक संसारमें भारतका स्थान :	७
१. आज़ादी पानेकी तैयारीमें हिन्दुस्तान	८
२. साम्राज्यवाद और भारत	१३
३. हिन्दुस्तानमें साम्राज्यवादका दिवाला	१६
४. भारतमें नयी जाग्रति	१९
दूसरा अध्याय : हिन्दुस्तानकी सम्पत्ति और उसकी ग़रीबी	२४
१. हिन्दुस्तानकी सम्पत्ति	२४
२. हिन्दुस्तानकी ग़रीबी	३१
३. आबादी बढ़नेका कुतर्क	४८
तीसरा अध्याय : दो तरहकी दुनिया	६२
१. समाजवाद और साम्राज्यवादके १० वर्ष	६४
२. मध्य एशियाके सोवियत प्रजातंत्रोंकी कहानी	७१

★

आज का भारत

[पाचवाँ भाग]

लेखक
रजनी पाम दत्त

बम्बई
जन-प्रकाशन गृह
१९४८

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
चौदहवाँ अध्याय : वैधानिक सुधारोंकी लड़ाई	४३३
१. साम्राज्यवाद और स्वराज्य	४३४
२. १९१७ के पहले सुधारोंकी नीति	४३६
३. डोमीनियन स्टेटसका सवाल	४४०
४. १९३५ का विधान	४४९
पन्द्रहवाँ अध्याय : दूसरे महायुद्धके पहले राष्ट्रीय अन्दोलन	४६१
१. नयी जागृति	४६१
२. १९३७ के चुनावमें जीत	४६२
३, सूबोंमें कांग्रेस सरकार	४६८
४. संघ विधान और राष्ट्रीय संकट	४७४
सोलहवाँ अध्याय : दूसरे महायुद्धमें भारत	४७९
१. अन्तरराष्ट्रीय दाँव-पेंच और हिन्दुस्तान	४८०
२. राष्ट्रीयता और वैदेशिक नीति	४८५
३. हिन्दुस्तान और लड़ाई १९३९-४२	४९०
४. अगस्त-प्रस्ताव और उसके बाद (१९४२-४५)	४९८
सत्रहवाँ अध्याय : आज़ादी ?	५१०
१. बदलती दुनियामें हिन्दुस्तान	५११
२. १९४५-४६ का जन-जागरण	५१३
३. १९४६ का मंत्री-दल	५१९
४. १९४६ के नये वैधानिक प्रस्ताव	५२३
अठारहवाँ अध्याय : भविष्य	५३३
१. अंग्रेज़ी राज्यके आख़िरी दिन	५३४
२. स्वाधीन भारतकी रूपरेखा	५५०
३. पुनर्निर्माण, औद्योगीकरण और समाजवाद	५५९
४. अगली मंज़िल	५६८

★

आज का भारत

[चौथा भाग]

लेखक
रजनी पाम दत्त

बम्बई
जन-प्रकाशन गृह
१९४८

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
दसवाँ अध्याय : भारतीय राष्ट्रीयताका जन्म	२६१
१. एकता और विषमता	२६१
२. जाति, धर्म और भाषाके सवाल	२६८
३. राष्ट्रीयताका जन्म	२७५
४. कांग्रेसका अभ्युदय	२८४
ग्यारहवाँ अध्याय : आज़ादीकी लड़ाईकी तीन मंज़िलें	२९२
१. पहली मंज़िल १९०५–१९१०	२९३
२. दूसरी मंज़िल १९१९–१९२२	३०३
३. तीसरी मंज़िल १९३०–१९३४	३२०
बारहवाँ अध्याय : मज़दूर-वर्ग और समाजवादका उत्थान	३४५
१. कल-कारख़ानोंके मज़दूर-वर्गकी बढ़ती	३४६
२. मज़दूरोंकी हालत	३४९
३. मज़दूर-आन्दोलनका संगठन	३६४
४. राजनीतिक जागरण	३७१
५. मेरठ का मुक़दमा	३७६
६. मेरठके बाद मज़दूर-आन्दोलनका पुनर्संगठन	३८१
७. युद्धके पहलेका जागरण	३८४
८. दूसरे महायुद्धमें मज़दूर-वर्ग	३८७
तेरहवाँ अध्याय : भारतीय जनतंत्रकी समस्यायें	३९२
१. देशी रियासतें	३९३
२. साम्प्रदायिक भेदभाव	४०८
३. बहुजातिवाद और पाकिस्तान	४१८

★

आज का भारत

[तीसरा भाग]

लेखक
रजनी पाम दत्त

बम्बई
जन-प्रकाशन गृह लि०
१९४७

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
सातवाँ अध्याय : हिन्दुस्तानकी खेती संकटमें	१८७
१. खेतीके लिये छीना-झपटी	१८९
२. छीना-झपटी का परिणाम	१९४
३. खेतीमें ठहराव और ह्रास	१९७
आठवाँ अध्याय : किसानों का शोषण	२०८
१. भूमि पर एकाधिकार	२०८
२. भूमि-व्यवस्थामें परिवर्तन	२१३
३. जमींदारी प्रथाका चलन	२१५
४. किसानों की बढ़ती हुई ग़रीबी	२२१
५. क़र्ज़का बोझ	२३०
६. तीन तरह का बोझ	२३६
नवाँ अध्याय : किसान क्रान्ति की ओर	२४०
१. खेतीका संकट गहरा होता जाता है	२४०
२. किसान क्रान्ति की आवश्यकता	२४७
३. सरकारी सुधारों की असफलता	२५०
४. किसान-आन्दोलन की प्रगति	२५५

★